

HEAT FLOW
Heat Exchanger for Rice Mills
BEST QUALITY
BETTER PERFORMANCE
FASTEST DELIVERY

RIPPEN HEAT EXCHANGERS PVT. LTD.
Office & Show Room: 101, Main Road, Sector 10, Gurgaon, Haryana
National Highway No. 8, Chaudhary Mohan Lal, DDA, Ahmedabad-382 213.
Tel: 079-25500000, 079-25500001, 079-25500002, 079-25500003
E-mail: rippen@rippen.com, rippen@rippen.com, rippen@rippen.com

Office : 2718, Street No. 5, Bihari Colony, Shahdara, Delhi-110032
Mob.: +91-9312625326, 9717513928
Email: vyaparexpress52@gmail.com, vyaparexpress@gmail.com

CHIEF EDITOR : T.R. ARORA
www.vyaparexpress.co

CHENNAI CANVASSERS
— Brokers & Canvassing Agents —
All types of Basmati Rice,
Non-Basmati Rice & Grains

21, Ashwaththam Street, CHENNAI-600001
Tel: 044-25218253, Telefax: 25271296
Mob: 9382863228, 9962841145
Email: chennaicannvassers1@yahoo.com

SELLING AGENTS FOR:
Mubarak
All kinds of
1121 Steam
Basmati Rice

वर्ष 42 अंक 04 • 31 जनवरी 2022 — 06 फरवरी 2022 प्रकाशन की तिथि हर सोमवार वार्षिक मूल्य सप्तीमेंद्री सहित 1100/- पृष्ठ-4

वैश्विक उत्पादन में कमी के अनुमान से सोयाबीन के औसत भाव में बढ़ोतरी

अमरीकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक तिलहन के उत्पादन में कमी आने का अनुमान जताया है। दक्षिण अमरीका में सूखे मौसम की वजह से सोयाबीन की गीह और उत्पादन में ख़ासी कमी आने का अंदेश है। ब्राजील, अर्जेंटीना और पेरू में सोयाबीन की पैदावार घटने की आशंका से वर्ष 2021-22 में समूची दुनिया में तिलहन का उत्पादन एक फीसदी से ज्यादा घटने की संभावना है।

समूची दुनिया में तिलहन का उत्पादन 61.91 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो बीते महीने 62.75 करोड़ टन था। तिलहन का वैश्विक अंतिम स्टॉक ब्राजील, अर्जेंटीना में सोयाबीन की उपज घटने से छह फीसदी गिरने के आसार हैं। यूएसडीए ने सोयाबीन का औसत दाम वर्ष 2021-22 के लिए 50 सेंट्स बढ़ाकर 12.60 डॉलर प्रति बुशेल पर करार रखा है।

यूएसडीए ने वर्ष 2021-22 में समूची दुनिया में सोयाबीन का उत्पादन 37.25 करोड़ टन रहने का अनुमान जताया है, यह अनुमान पिछले महीने 38.17 करोड़ टन था। जबकि वर्ष 2020-21 में समूची दुनिया में सोयाबीन का उत्पादन अनुमान 36.62 करोड़ टन और वर्ष 2019-20 में यह 33.98 करोड़ टन था।

वर्ष 2021-22 में अमरीका में सोयाबीन उत्पादन अनुमान 12.07 करोड़ टन आंका है जो वर्ष 2020-21 में 11.47 करोड़ टन रहा। वर्ष 2019-20 में यह 9.66 करोड़ टन था। ब्राजील में वर्ष 2019-20 में सोयाबीन उत्पादन 12.85 करोड़ टन रहा जो वर्ष 2020-21 में 13.80 करोड़ टन रहा। जबकि, वर्ष 2021-22 में इसके 13.90 करोड़ टन रहने की संभावना है। अर्जेंटीना में सोयाबीन का उत्पादन वर्ष 2019-20 में 4.88 करोड़ टन रहा जिसके वर्ष 2020-21 में 4.62 करोड़ टन एवं वर्ष 2021-22 में 4.65 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

चीन में सोयाबीन का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 1.64 करोड़ टन और वर्ष 2020-21 में 1.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। चीन में वर्ष 2019-20 में सोयाबीन का उत्पादन 1.80 करोड़ टन रहा। यूएसडीए का कहना है कि वर्ष 2021-22 में चीन का सोयाबीन आयात वर्ष 2020-21 के 10 करोड़ टन रहने की संभावना है। यह आयात वर्ष 2019-20 में 9.97 करोड़ टन रहा।

बासमती चावल के निर्यात में 18 से 20 फीसदी की कमी आने की आशंका



घरेलू मंडियों में धान की नई फसल की आवक अब कम होने लगी है, जबकि आमतौर पर नवंबर से जनवरी के दौरान बासमती चावल के सबसे ज्यादा निर्यात सौदे होते हैं, लेकिन चालू सीजन में ईरान के साथ ही इराक की आयात मांग सामान्य की

तुलना में कम आने से घरेलू बाजार में महीनेभर में धान के साथ ही चावल की कीमतों में बढ़ी गिरावट आई है।

सूत्रों के अनुसार, घरेलू धान के मूल्य 1,121 किस्म के धान के भाव पिछले दिनों 3,900 से 4,000 रुपये प्रति बिंदल और ट्रेडिशनल

बासमती के बढ़कर 4,300 से 4,400 रुपये प्रति बिंदल हो गए हैं। इस समय उत्पादक मंडियों में पूरा 1,121 बासमती धान के भाव 3,600 से 3,800 रुपये बिंदल चल रहे हैं। इसी तरह से उत्पादक जयों में पूरा 1,121 किस्म के स्ट्रीम चावल के दाम 7,400 से 7,500

रुपये प्रति बिंदल रह गए हैं जबकि पिछले दिनों इसके भाव 8,200 से 8,300 रुपये प्रति बिंदल तक हो गए थे। चालू वित्त वर्ष में जहां गैर बासमती चावल के निर्यात में बढ़ोतरी होने का अनुमान है, वहीं बासमती चावल के निर्यात में 18 से 20 फीसदी की कमी आने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ ही इराक की आयात मांग कमजोर होने से बासमती चावल के कुल निर्यात में कमी आने की आशंका है।

हालांकि सऊदी अरब की बासमती चावल में इस समय आयात मांग अच्छी है तथा सूत्रों के अनुसार, आगे ईरान और इराक के साथ ही अन्य देशों की आयात मांग भी बढ़ेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, चालू

भारतीय मक्का में लगातार खरीददार

दक्षिण-पूर्व एशियाई देश, विशेष रूप से वियतनाम और मलेशिया, भारतीय मक्का को बड़े पैमाने पर खरीदना जारी रखे हैं क्योंकि इसके भाव जुलाई 2021 के ऊंचे स्तर से नीचे आ गई हैं। एएफ्री कर्मांडिटी एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना है कि वियतनाम और मलेशिया अच्छी मात्रा में भारतीय मक्का खरीद रहे हैं लेकिन कीमतों में गिरावट के कारण हमें अच्छा मार्जिन नहीं मिल रहा है। निर्यातकों के मुताबिक, वियतनाम मूरियों को खिलाने के लिए भारतीय मक्का का एक बड़ा खरीदार बन गया है। रूप की मांगजूती ने निर्यातकों के मार्जिन को भी प्रभावित किया है। पिछले एक महीने में भारतीय रुपया अमरीकी डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी बढ़ा है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 74.4 था। इंटरकॉन्टिनेंट एक्सचेंज में मक्का वायदा डॉलर प्रति बुशेल से लैट आया क्योंकि ब्राजील ने दिसंबर में किए गए अनुमानों की तुलना में अपनी फसल कम होने की सूचना दी थी।

माव मक्का का वायदा भाव 6.11 डॉलर प्रति बुशेल पर बंद हुआ। जुलाई 2021 में चीन द्वारा इस सीजन में खपत के अनुमान को कम करने के बाद मक्का वायदा 6.6 डॉलर से नीचे गिरने से पहले 6 डॉलर आ गया था।

चीनी सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ समिति के निर्णय के खिलाफ भारत ने की अपील

भारत ने घरेलू चीनी सब्सिडी पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार विवाद समाधान समिति के निर्णय के खिलाफ अपील करते हुए कहा है कि उसने समिति के कानून से जुड़ी कुछ गलतियों की हैं। डब्ल्यूटीओ ने एक बयान में कहा कि भारत ने उसके अपीलीय निकाय के समक्ष अपील की है। व्यापार संबंधी विवादों में यह अंतिम निर्णायक संस्था है। डब्ल्यूटीओ का कहना है कि, भारत ने विवाद निपटान निकाय के निर्णय के खिलाफ अपील की सुचना दी है। व्यापार विवाद समाधान समिति ने यह निर्णय भारत से चीनी पर दी जाने वाली सब्सिडी के बारे में ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला की अपीलों पर दिया था। हालांकि, इस समय अपीलीय

निकाय सक्रिय स्थिति में नहीं है। डब्ल्यूटीओ ने कहा कि उसके सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बनने से अपीलीय निकाय की गतिविधियां नहीं चल रही हैं। ऐसी स्थिति में भारत की अपील पर फौरन कोई निर्णय हो पाना संभव नहीं है। विवाद निपटान समिति ने गत 14 दिसंबर को अपने फैसले में भारत को

घरेलू स्तर पर चीनी पर दी जाने वाली सब्सिडी हटाने का सुझाव दिया था। उसने कहा था कि सरकारी समर्थन देना डब्ल्यूटीओ के व्यापार नियमों के अनुकूल नहीं है। इस फैसले के खिलाफ की गई अपील में भारत ने कहा है कि समाधान समिति के निर्णय एवं निष्कर्ष को पलट देना चाहिए क्योंकि इसमें कानून या कानूनी व्याख्या की खामियां

रही हैं। भारत ने चीनी उत्पादन सत्र 2019-20 के लिए चीनी के निर्यात पर अंतरराष्ट्रीय एवं आंतरिक परिवहन और लुआई मांडे की लागत पर चीनी मिलों को सरकारी समर्थन की योजना चलाई थी। ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया एवं ग्वाटेमाला ने इस कदम को डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ बताया था।

हैफेड को मिला 5000 मीट्रिक टन भारतीय सेला बासमती चावल का एक एक्सपोर्ट आर्डर

हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन संघ लिमिटेड (हैफेड) को सऊदी अरब के एक प्रमुख आयातक से 5,000 मीट्रिक टन भारतीय सेला बासमती चावल का एक एक्सपोर्ट ऑर्डर मिला है। हैफेड के अध्यक्ष, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीजीएम सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने दिसंबर, 2021 में थावल के संभावित खरीदारों से मिलने के लिए यहां का दौरा किया था। जिसके बाद यह आपूर्ति आदेश प्राप्त हुआ है।

बासमती अपने विशिष्ट स्वाद और गुणों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है। सऊदी अरब भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा मुरीद है। यहां एक

साल में सात हजार करोड़ रुपये से अधिक का बासमती एक्सपोर्ट किया गया है। सूत्रों के अनुसार, हैफेड हरियाणा सरकार का एक शीर्ष सहकारी संघ है। हैफेड राज्य के किसानों की घरेलू और विदेशी बाजार में बिक्री के लिए उनकी उपज का मूल्य वर्धन करके उनकी उपज की खरीद एवं प्रसंस्करण करके उनकी सेवा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस संघ ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। बासमती एक्सपोर्ट में 25 प्रतिशत शेयर के साथ भारत निर्यात का सबसे बड़ा राइस एक्सपोर्टर है। यहां से हर साल औसतन

30,000 करोड़ रुपये का बासमती चावल निर्यात होता है।

20 हजार मीट्रिक टन बासमती धान खरीदने का निर्णय: हरियाणा सरकार के मुताबिक, नवंबर, 2021 के महीने के दौरान बासमती चावल और अन्य धान की किस्मों के बाजार मूल्य में अचानक गिरावट आई है।

हैफेड द्वारा राज्य के किसान के हितों की रक्षा करने एवं बाजार को स्थिर करने के लिए राज्य की विभिन्न मंडियों से लगभग 20,000 मीट्रिक टन धान की खरीद के लिए निर्णय लिया गया। हैफेड ने भारतीय लंबे चावल, 1121 बासमती सेला और बासमती सेला सहित

विभिन्न किस्मों के 870 मीट्रिक टन चावल का एक्सपोर्ट किया है।

हरियाणा बासमती का प्रमुख उत्पादक: दरअसल, कारोबार के लिहाज से बासमती चावल की खेती भारत के सिर्फ 95 जिलों में ही हो सकती है। सात राज्यों के 95 जिलों को इसका जियोग्राफिकल इंडिकेशन यानी जीआई टैग मिला हुआ है। इनमें पंजाब, हरियाणा, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश शामिल हैं। इसलिए यहां पैदा होने पर इस धान की खेती होती है और उसका ज्यादातर हिस्सा एक्सपोर्ट हो जाता है। जिसका किसानों को काफी लाभ मिलता है।

IND
इंडिया का स्वाद
NEED™
Basmati Rice-Pulses

IND GROUP
INDIA, INDONESIA, UAE (GULF & MIDDLE EAST), UK, UKRAINE, USA
111, 1st Floor, F-Block, Connaught Circus, NEW DELHI-110001
Ph: 011-71862830 | M: 9818468699, 9311724374, 9958195217
E: info@indgroup.in, ps@indgroup.in | W: www.indgroup.in

Required Distributors/Dealers

G.S. ENTERPRISES
Conserving Agent
Deals in RICE, WHEAT & PULSES
Specialist in Domestic & International Network

A-23, Shiv Kalia, Surrogate Mandi, JAIPUR-302003
Tel: (014126) 3482 Mob: 9990053482, 9941334842
E-mail: gsenterprises7@gmail.com

How smart can Smart get?
Buhler SmartLine. High yield, energy-efficient rice processing for small mills.

SmartLine. Best in class Whitting & Polishing at amazingly affordable price. The SmartLine is optimized to deliver high productivity and top-class product in small mills of 2-5 tps capacities. Now you don't need to make a trade-off between whitting degree and high yield.

Get a question? Let's talk about it. buhler.bangalore@buhlergroup.com
www.buhlergroup.com/bv

Innovations for a better world.

Dunaflex
Premium Range of Rice Rubber Rolls

Manufactured By **Alaska Multi Polymers Pvt. Ltd.**
An ISO 9001:2008 Certified Company
B-72, Site 10, MIDC, Industrial Area, Bhiwadi, District Jodhpur, Rajasthan-342 006 (R.P.)
Tel: +91 132 2588877 Mob: +91 98212 47800
E-mail: sales@alaskamulti.com, alaskamulti@alaskamulti.com

INDIA GATE
BASMATI RICE
2 YEARS AGED RICE

India ki Puraani Aadat

Aeroplane
Basmati Rice

Rich Taste | Lasting Aroma | Extra Long Grain

Premium Quality Basmati Rice

क्षेत्रीय मंडियों के बाजार भाव

कानपुर: गेहूँ	2550 / 2155.	लूज	2550 / 2600, सरसो खल
2150 / 2155.	जून		3300 / 3350, पामोथी
1975 / 2000, चावल मुसुरी			2150 / 2200, वनपसि घी
2450 / 2550, चावल मोटा			(यू.पी. एफओ जार)
2250 / 2400, देशी चीना			1850 / 1950, मधुसूदन
5300 / 5325, चना छना			देशी शी 6200 वासुदेव
5800 / 5950, दाल चना			5950, परम प्रीतिम 6250
5900 / 6000, पिचकी			अलसी 9500 / 9700
4800 / 5000, मटर दाल			धानियाँ : लो कल
7200 / 7400, अरहर लेमन			9700 / 9800, राजस्थान
6600 / 6625, अरहर			102000 / 10400
8900 / 9300, स्पेशल			लखनऊ: गेहूँ दड़ा
8100 / 8400, उज्जैन एकसूय			2130 / 2140, गेहूँ शरशती
7250 / 7260, एकसूय			2850 / 2950, चावल
6600 / 6650, राजमा विज्ञा			शरशती सेला 4000 / 4050,
9900 / 13100, मूँग			स्टीम 5050 / 5150,
5700 / 6500, मसूर छोटी			लागमती 4400 / 3500,
7600 / 7750, छाँटी			चावल (सौना) 4200 / 4300,
8800 / 9300, सरसो			दाल अरहर सवा न.
7300 / 7350, हिल सफेद			7800 / 7900, पटका
10000 / 10100 सोया (टीन)			8700 / 9300 रिजैबशन
2200 / 2250, लेल सरसो			6700 / 7000, चना दाल
कच्ची पानी देठ पेठ (टीन)			5950 / 6100, चना देशी

छात्रा 5950/6100, चना	मुजफ्फरनगर: चाकू
चापा छात्रा 5900/6000,	(कोल्ड) 1540/1270,
मनर विदेशी 7400/7500,	खतौली 3540, देवद्वंद 3400,
उड़द सासुत (काली)	थाना मनर 3410, बुढ़ना
7200/8000, दाल उड़द	3420, शामली 3900, चीनी
(काली) 7900/8900, उड़द	हाजिर 3750/3850
घोड़ा 8000/8800, मरु	हापुड़: अनाज-दाल
छोटी 5700/7700, मलका	गेहूँ 2215/2225, उड़द
8500/8800, किराना: जीरा	परमल 2400/2450,
18400/19800 लालमिर्च	डुल्हीदेठ वासमती सेला
गुंरूर 17500/2300, हल्दी	6100/6200, बासमती
जामोना फल (50 किलो)	1121 स्टीम 7400/7500,
5600/5700, धनियां पम्पौ	दाल 5200/5250, चनादाल
10100/12200, छोटी	5800/5900, काली चना
दाल 1 य म (फिल ल)	7000/8500, राजमा देरी
1000/1500, बड़ी इलायची	चित्रा 11500/13000, दाली
710/740, कालीमिर्च	अरहर 8000/8800, मरु
(फिलो) 520/580, सुपारी	7800/8000, उड़द देसी
(फिलो) 580/630, सौंफ	6500/6700, दाल उड़द
मोती 9400/11800, मसूर	7500/8500, मूंग यूपी
22500/23500, चिरईजी	6500/6800, मूंग दाल
(फिलो) 1125/1250,	8000/9000, गुंड-चीनी:
मखाना 475/700	चीनी हाजिर 3800/3900

चीनी उत्पादन 2.90 प्रतिशत बढ़कर 3.19 करोड़ टन रहने का अनुमान

स्थापा। सं गहन एआईएसटीए के मुताबिक, ब्राजील के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश भारत में चाहु विपणन के दरों की वीनी उत्पादन 2.90 प्रतिशत बढ़कर 3.19 करोड़ टन होने का अनुमान है।

3.19 करोड़ टन के अनुमानित उत्पादन और चीनी मितों के पास 83 लाख टन के शुरुआती स्टॉक के साथ, चाहु विपणन वर्ष में देश में चीनी की कुल उपलब्धता 4.02 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा कम है। हालांकि, देश में चीनी की आपूर्ति, घरेलू खपत को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगी, जो

कि विपणन वर्ष 2021-22 में 2.7 करोड़ टन होने का अनुमान है।

चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। निर्यात के मामले में, अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) का कहना है कि, मीजुदा विपणन वर्ष 2021-22 में निर्यात खेप कम यानी 60 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष 72 लाख टन था।

वर्ष 2021-22 में वार्षिक निर्यात, घरेलू चीनी की कीमतों के स्तर और अंतरराष्ट्रीय चीनी की कीमतों पर निर्भर करेगी। एआईएसटीए के पहले अनुमान के मुताबिक, 2021-22 के विपणन वर्ष में

देश का चीनी उत्पादन 3.19 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जबकि पिछले वर्ष यह 3.1 करोड़ टन था। इस वर्ष के लिए कुल अनुमानित चीनी उत्पादन में से, देश के प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों, उत्तर प्रदेश—में चीनी शिफ्ट का विपणन वर्ष 2021–22 में 1.05 करोड़ टन चीनी का उत्पादन करने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 1.11 करोड़ टन से कम है।

हालांकि, देश का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य, महाराष्ट्र—में चीनी उत्पादन— पहले के 1.07 करोड़ टन मुकाबले 1.15 करोड़ टन अधिक होने का अनुमान है, जबकि देश का तीसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य—कर्नाटक में

बीनी उत्पादन 48 लाख टन होने का अनुमान है जो पहले 47 लाख टन था। यह अनुमान है कि चालू विषण्वन में भी—हैवी शीरा और शीरे से एथेनॉल उत्पादन के लिए 31 लाख टन सुकोज का स्थानांतरित किया जाएगा।

एसईएसपीटीए का कहना है कि, विषण्वन वर्ष 2021–22 में घरेलू बीनी की खपत 2 प्रतिशत बढ़कर 2.7 करोड़ टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 2.65 करोड़ टन था। गन्ने की पैराई का काम जारी है। वह विषण्वन वर्ष 2021–22 के लिए फवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में अपना दूसरा उत्पादन अनुमान जारी करेगा।

मक्का की उपज घटने से इसका वैश्विक उत्पादन कम रहने का अनमान



अमरीकी कृषि विभाग का कहना है कि अर्जेंटीना, ब्राजील, कॅन्या और मैक्सिको में वर्ष 2021-22 में मक्का की उपज घटने से इसका वैश्विक उत्पादन कम रहेगा। हालाँकि, यूक्रेन और मराका में मक्का की पैदावार बढ़ने से इसकी कुछ भरपाई हो पाएगी। मका के वैश्विक कारोबार में बढोतरी होगी एवं निर्यात मोर्चे की कमान यूक्रेन के हाथ होगी। जबरन, अमरीकी और पेरुचे का निर्यात कम हवरी।

मक्का का आयात ब्राजील, कनाडा और मैक्सिको से बढेगा। यूएसडीए ने मक्का का औसत दाम वर्ष 2021-22 के लिए 54.5 डॉलर प्रति बुरशे पर कायम रखा है।

दुनिया भर में वर्ष 2021-22 के लिए 120.69 करोड़ टन मक्का पैदा होना का अनुमान जताया है जबकि वर्ष 2020-21 में यह पैदावार 112.28 करोड़ टन थी। वर्ष 2019-20 में समूची दुनिया में मक्का का उत्पादन 111.97 करोड़ टन रहा। भारत में मक्का का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 30 लाख टन होने का अनुमान है। यह उत्पादन वर्ष 2020-21 में 35.15 लाख टन रहा।

भारत में मक्का का उत्पादन वर्ष 2019-20 में 287.66 लाख टन रहा। भारत से वर्ष 2020-21 में मक्का निर्यात 36.77 लाख टन रहा जो वर्ष 2021-22 में घटकर 25 लाख टन रह सकता है। वर्ष 2020-21 में

अजैटनी का मक्का निर्यात 3.65 करोड़ टन, अमरीका का निर्यात 6.85 करोड़ टन और ब्राजील का निर्यात 2.74 करोड़ टन रहा। वर्ष 2021-22 में अजैटनी का मक्का निर्यात 4.15 करोड़ टन, अमरीका का निर्यात 6.15 करोड़ टन और ब्राजील का निर्यात 3.10 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यूएसडीए के मुताबिक अमेरिका वर्ष 2020-21 में मक्का का उत्पादन 35.84 करोड़ टन रहा जो वर्ष 2021-22 में 38.39 करोड़ टन रहने का अनुमान है। अमरीका में वर्ष 2019-20 में मक्का उत्पादन 34.59 करोड़ टन रहा। चीन में मक्का का उत्पादन वर्ष 2020-21 में 26.06 करोड़ टन रहा। जबकि, वर्ष 2021-22 में यह उत्पादन 27.25 करोड़ टन पहुंच सकता है। यूरोपीयन संघ में मक्का का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 6.99 करोड़ टन पहुंच सकता है जो वर्ष 2020-21 में 6.70 करोड़ टन रहा। यूएसडीए की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्राजील में मक्का का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 11.50 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह वर्ष 2020-21 में 8.70 करोड़ टन रहा। अजैटनी में मक्का का उत्पादन वर्ष 2020-21 में 5.05 करोड़ टन रहा जो वर्ष 2021-22 में 5.40 करोड़ टन रह सकता है। दक्षिण अफ्रीका में मक्का का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 1.70 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो वर्ष 2020-21 में 1.69 करोड़ टन रहा। यूक्रेन में मक्का का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 4.20 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो वर्ष 2020-21 में 3.02 करोड़ टन रहा। रूस में मक्का का उत्पादन वर्ष 2020-21 में 1.38 करोड़ टन रहा जिसके वर्ष 2021-22 में 1.50 करोड़ टन रहने का अनुमान है। मैक्सिको में मक्का का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 2.76 करोड़ टन रहने का अनुमान है। समूही दुनिया में वर्ष 2020-21 में मक्का का अंतिम स्टॉक 2.92 करोड़ टन रहा जो वर्ष 2021-22 के लिए 3.03 करोड़ टन आंका गया है। यह वर्ष 2019-20 में 3.06 करोड़ टन रहा।

रबी फसलों की बुआई 1.09%
बढ़कर 679.34 लाख हेक्टेयर

कृषि मंत्रालय के अनुसार, घाऊ सीजन में जनवरी 2021 में तक रबी फसलों की बुआई 1.09 फीसदी बढ़कर 679.34 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। जबकि पिछले साल की सामान्य अवधि में इनकी बुआई 671.98 लाख हेक्टेयर में ही हुई थी।

घाऊ रबी में दलहन की प्रमुख फसल चना और सरसों की बुआई बढ़ी है। रबी की प्रमुख फसल गेहूं की बुआई घाऊ रबी में घटकर 340.82 लाख हेक्टेयर में ही हुई है, जोकि पिछले साल की सामान्य अवधि के 345.14 लाख हेक्टेयर से कम है। मंत्रालय के मुताबिक, तिलहन की फसलों की बुआई घाऊ रबी में बढ़कर 101.16 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। जबकि पिछले साल की सामान्य अवधि में इनकी बुआई 82.86 लाख हेक्टेयर में ही हुई थी।

रबी तिलहन की प्रमुख फसल सरसों की बुआई घाऊ रबी में 24.48 फीसदी बढ़कर 91 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। जबकि पिछले साल की सामान्य अवधि में

इसकी बुआई 73.10 लाख हेक्टेयर में ही हुई थी। अ = य तिलहन की फसलों में सनपलावर की बुआई 1.12 लाख हेक्टेयर में, मूंगफली की 4.65 लाख हेक्टेयर में और सपलावर की 73 हजार हेक्टेयर के अलावा केसर सीस की बुआई 2.86 लाख हेक्टेयर में हुई है। पिछले साल की समान अवधि में इनकी बुआई क्रमशः 1.02 लाख हेक्टेयर में, 4.60 लाख हेक्टेयर में, 58 हजार हेक्टेयर और 2.77 लाख हेक्टेयर में हो चुकी थी। दालों की बुआई हालत रबी में बढ़ कर 164.35 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है, जबकि पिछले रबी सीजन की समान अवधि इनकी बुआई 162.88 लाख हेक्टेयर में ही हुई थी।

रबी खिलान की प्रमुख फसल घना की बुआई चालू रबी में 3.89 फीसदी बढ़कर 113.30 लाख हेक्टेयर में हुई



हुई है, जबकि पिछले रबी सीजन की समान अवधि में इसकी बुआई 109.05 लाख हेक्टेयर में ही हुई थी। मसूर की बुआई चालू रबी में 17.42 लाख हेक्टेयर हेक्टेयर में, मटर की 10.10 लाख हेक्टेयर में और उदरक की 7.22 हेक्टेयर में हुई है। पिछले रबी सीजन की समान अवधि में इनकी बुआई क्रमशः 16.87 लाख हेक्टेयर में, 10.33 लाख हेक्टेयर में और 7.80 लाख हेक्टेयर में हुई थी।

मूंग की बुआई चालू रबी में 4.67 लाख हेक्टेयर में ही हुई है, जबकि पिछले रबी की समान अवधि में इसकी बुआई 5.90 लाख हेक्टेयर में हो चुकी थी। मोटे अनाजों की बुआई चालू रबी में 49.40 लाख हेक्टेयर में हुई है।

है, जोकि पिछले साल की समान अवधि में 59.90 लाख हेक्टेयर से कम है। मोटे अंजाजों में ज्वार की बुआई चालू रही है 24.19 लाख हेक्टेयर में और मका की 17.83 लाख हेक्टेयर में तथा जौ की बुआई 6.78 लाख हेक्टेयर में हुई है, जबकि पिछले रबी सीजन की समान अवधि में इनकी बुआई क्रमशः 27.02 लाख हेक्टेयर में, 16.31 लाख हेक्टेयर में और 6.87 लाख हेक्टेयर में ही हुई थी।

धान की रोपाईं चालू रही है घटकर 23.61 लाख हेक्टेयर में ही हुई है, जबकि पिछले रबी सीजन की समान अवधि में इसकी रोपाईं 30.21 लाख हेक्टेयर में ही घुकी थी।

On The Way
To The Half Century

50

**व्यापार
एक्सप्रेस**

**में
विज्ञापन
देकर
लाभ
उठाए**



9312625326
vyaparexpress50@gmail.com
www.vyaparexpress.co



GrainExTM INDIA

BRIDGING THE GAP

**India's Premier Technology Oriented
Exhibition & Conference on Grain Milling Industry**



10th Edition

Indore, Madhya Pradesh - INDIA



11th Edition

Solapur, Maharashtra - INDIA

**An Exposition to
Expand, Explore & Ensure**

**Expand
YOUR
BUSINESS**

**Explore
YOUR
MARKET**

**Ensure
YOUR
FUTURE**

An Endorser by



ADAMAS Events Pvt. Ltd.
 SCO 27, 3rd Floor, Mugal Canal, KARNAAL - 132001 (Haryana) India
 Phone - +91-184-4036770 | +91-86074-61322
chandni@grainexindia.com | www.grainexindia.com

MEDIA PARTNER



ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਓਂਡ ਕੰਪਨੀ

ਕੰਮੀਅਨ ਏਜੰਟ



ਕਿਸੇ ਥਾਂ 'ਤੇ ਹਾਇ ਫਾਟੋ, ਸ਼ਾਇਦ ਨਹੀਂ, ਕੇ ਸਿਰ ਤੇ ਡੇਲਿਸ਼ਿਅਸ ਫੁਲਰ, ਫਿਲੇ ਪਾਏ, ਬੁਝਾਏ, ਫਰ ਡਬਰ ਦੀ ਸ਼ਾਇਰੀ, ਕੰਧਣ-ਕੰਧਣ, ਧੁਰੀ ਕੈਸੇ, ਸ਼ੇਰੀ-ਕੈਸੇ, ਅੱਧਾ ਚਾਕੀ ਪਾਏ ਜੋਰੇ ਸਿਰ ਸ਼ਾਇਰੀ ਕੰਧਣ ਤੇ ਚਾਕੀ ਤੇ ਫੇਲੇ ਲੋਕੇ ਨੇ। ਧੁਰੀ ਸਿਧਿਓ, ਕੈਸੇ, ਕੋਈ ਫਾਟੋ ਸੁਝਾਏ (DEMOLISH) ਕੇ ਸਿਰ ਕਾਢੇ ਦੇ।

ਸਾਇੰਟ ਕੈਸੇ ਓਏ, ਸ਼ਾਇਰਾਨ ਸਾਇੰਟ, ਕਨਾਨ (ਹਰਿਯਾਨਾ)

Email: satishaggarwal44662@gmail.com

ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਅੰਬਾਲਾ

92156-04462, 9215704462

CHAWAL WALA
Ph: (021)-2570609, 2570591
Cell: 98291-94190 (Ravi), 98290-24609 (Rajender)
93513-21116 (Mohit), 93142-08383

BHIKAM DAS MOOLCHAND PARIHAR
RAMBAGASH BHIKAMDAS

7, Main Mandi, Mondore Road, JODHPUR-342007 (Raj)
Distributors For: **LALQILLA-INDIA GATE- (DOON)**
AARTI-NURJAHAN Basmati Rice

R Sons  **Dalai Retail & Sons**
AN INTERNATIONAL
BRICKLAYER GROUP
Since 1967, we have been

Head Office # 1, Nizam Chamber, Borden Gali, Danangar, Rajapur, 300 001 (Gujarat) India
#91 94281 228592, #91 221 227027

Corporate Office # A-28, Market, World Road, Borden, Rajapur, 300 001 (Gujarat) India
#91 221 2790610, #91 221 2790610, #91 221 2790252

Branch Office Sagar Bhadani # S-14 Baganpur Sagar, Dehla Gali, Ring Road, Sagar, 383003 (Gujarat) India
#91 79822 30000, #91 79822 30000, #91 79822 30000

Branch Office Gopal Chaudhary # F-42, Ground Floor, Panchsahi, Chaurani, Indore, 462 002 (Madhya Pradesh) India
#91 731 292838, #91 731 292838, #91 731 292838

Sanjay Somani # +91 98242 30304 +91 9374 00000 # sanjaysomani28@gmail.com
Sarang Somani # +91 99247 12331 # rsnson@gmail.com

R Sons Team

Vipul Vaghela #91 94282 33978	Hitesh Patel #91 98241 40905	Jayraj Gadvi #91 75674 55490
Dhaval Bahukhya	Kansiya Dubey	

#91 982525 94943 #91 99252 41122

We Deal In

Rice Grains Pulses Oil Seeds Sugar
Dry Fruits Whole Products Animal Feed

Choose as you will **we sell it to be your best business destination**

RICE Basmati Specialist
DADHICH & CO.
Canvassing Agents For :-
*RICE- *WHEAT- *GRAIN
117, Mahalaxmi Market, 1st Floor, E-40, Market Yard, Gultekdi, PUNE-411037
Ph.: 020-24271907, 24017276 Fax: 24017277
Mob.: 9423204341, 9423204242

Leading Canvassing Agent in **AHMEDABAD**
for Rice, Wheat, Bajra, Jawar, Pulses etc.

DALAL ARUNKUMAR VISHNUPRASAD

25/2, Kabutarikhana, Kalupur, AHMEDABAD-380 002. (GUJ.)
PHONE : (O) 22169585 / 22169828 (R) 27417877
MOBILE : 9327064099 / 9824410544 Arun Vyas

किसानों की आय दोगुनी करने में जुटी सरकारें



कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि, केंद्र और राज्य सरकारें एकजुट होकर वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही हैं। वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का एक अत्यधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था। सितंबर, 2018 में किसानों की आय दोगुना पर एक

अंतर-मंत्रालयी समिति ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए रणनीतियों की सिफारिश करते हुए एक रिपोर्ट सौंपी थी। पैनल की सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद सरकार ने प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए एक अधिकार प्राप्त निकाय का गठन किया है।

महामारी के दौरान भी कृषि क्षेत्र में हुई बढ़ोत्तरी: कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि, केंद्र सरकार ने कृषि और

संबद्ध गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का योगदान महत्वपूर्ण है, इसलिए कृषि क्षेत्र को मजबूत करना और भी जरूरी है। तोमर के हवाले से एक सरकारी बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री के वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के सपने को साकार करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें और देश के किसान एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान भी कृषि क्षेत्र समय की कसीटी पर खरा उतरा और किसानों ने बरफ पैदावार की। गोवा में भी जब वहां का पर्यटन उछाल टप था, कृषि क्षेत्र आगे बढ़ा।

युवाओं को कृषि की ओर कर रही आकर्षित

उन्नत तकनीक: छोटे किसानों को मजबूत करने के लिए ₹1.50 करोड़ की गैर पीएम-किसान जैसी केंद्रीय योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए तोमर ने कहा कि केंद्र वर्ष 2022-28 तक 10,00,00,00,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना के लिए प्रयासों को प्रोत्साहित कर रहा है, जिसमें कुल 2027-28 तक 6,86,5 करोड़ रुपए हैं और इस योजना को गोवा में सहकरलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। गोवा के मुख्यमंत्री ने कहा कि, इस क्षेत्र में उन्नत तकनीक और नई तकनीकों राज्य में युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने लोगों से कृषि, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और फूलों की खेती के रूप में एकीकृत खेती करने का भी आग्रह किया।

दलहनी, तिलहनी फसलों के रकबे में बढ़ोत्तरी



भारत तिलहनी और दलहनी फसलों के मामले में अब तक आत्मनिर्भर नहीं हो सका है। साल 2019-20 में हमने 68558.2 करोड़ रुपये का वनस्पति तेल इपोर्ट किया। जबकि 10221.4 करोड़ रुपये की दालें इपोर्ट की गईं। इसीलिए सरकार इन दोनों फसलों में देश को आत्मनिर्भर बनाकर इस पैसे को दूसरे देश जाने से बचाने की कोशिश में जुटी हुई है। इसके लिए मिशन मोड पर काम हो रहा है। जिसके परिणाम इस बार रबी सीजन में दिखाई देने लगे हैं।

रबी सीजन 2021-22 में इन दोनों फसलों का रकबा काफी बढ़ गया है। तिलहनी की बुवाई इस साल 23.78 लाख हेक्टेयर में बढ़ी है, जबकि दलहनी फसलों के एरिया में 18.21 लाख हेक्टेयर

की वृद्धि देखी गई है। सूत्रों के अनुसार, यह एक शुभ संकेत है। इससे खाद्य तेलों और दालों के इंपोर्ट में कमी आने का अनुमान है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य तौर पर रबी सीजन में दालों का क्षेत्र 146.14 लाख हेक्टेयर होता है। जबकि मौजूदा रबी सीजन (2021-22) में 21 जनवरी तक इसका रकबा बढ़कर 164.35 लाख हेक्टेयर हो गया है।

इसी तरह तिलहनी फसलों का रकबा सामान्य तौर पर 77.38 लाख हेक्टेयर होता है जो अब बढ़कर रिकॉर्ड 101.16 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। इस वृद्धि के बाद रिकॉर्ड उत्पादन का भी अनुमान लगाया जा रहा है। एक कृषि विशेषज्ञ का कहना है कि तिलहनी फसलों

में सबसे ज्यादा सरसों के रकबे में वृद्धि हुई है। इसकी बड़ी वजह अछा दाम है। कुल उत्पादन का 23.62 फीसदी है। इसके बावजूद भारत को विदेशों से दाल आयात करनी पड़ रही है। वर्ष 2020 तक लगभग 320 लाख टन दलहन की जरूरत होगी। ऐसे में अगर इसकी बुवाई का दायरा बढ़ा नहीं तो आयात पर निर्भरता कम नहीं होगी।

साल 2020-21 में भी नवंबर तक हम 7148.4 करोड़ रुपये की दालें इंपोर्ट कर चुके हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक, 1951 में प्रति दिन फसल की ओर आकर्षित हो रहे थे। लेकिन अगर दाम नहीं मिलेगा तो सरकार कुछ भी कर ले, कोई भी अभियान चला ले, किसान वही करेंगे जो उनके फायदे में होगा।

खाद्य तेलों की घरेलू खपत मांग करीब 250 लाख टन है, जबकि उत्पादन केवल 111.6 लाख टन है। यानी खाद्य तेलों की मांग और आपूर्ति में करीब 56 फीसदी गैप है।

केंद्र सरकार का दावा है कि बीते पांच-छह साल में भारत ने दलहन उत्पादन को 140 लाख टन से बढ़ाकर 240 लाख टन तक कर लिया है। वर्ष 2019-20 में भारत ने 23.15 मिलियन टन दलहन उत्पादन हुआ, जो विश्व के कुल उत्पादन का 23.62 फीसदी है। इसके बावजूद भारत को विदेशों से दाल आयात करनी पड़ रही है। वर्ष 2020 तक लगभग 320 लाख टन दलहन की जरूरत होगी। ऐसे में अगर इसकी बुवाई का दायरा बढ़ा नहीं तो आयात पर निर्भरता कम नहीं होगी।

साल 2020-21 में भी नवंबर तक हम 7148.4 करोड़ रुपये की दालें इंपोर्ट कर चुके हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक, 1951 में प्रति दिन फसल की ओर आकर्षित हो रहे थे। लेकिन अगर दाम नहीं मिलेगा तो सरकार कुछ भी कर ले, कोई भी अभियान चला ले, किसान वही करेंगे जो उनके फायदे में होगा।

चीनी के उत्पादन में 4.34% की बढ़ोत्तरी

चावल पैदाई सीजन 2021-22 के पहले तीन महीने पहली अक्टूबर 2021 से 31 दिसंबर 2021 तक चीनी का उत्पादन 4.34 फीसदी बढ़कर 115.55 लाख टन का हो चुका है जबकि पिछले पैदाई सीजन में इस दौरान केवल 110.74 लाख टन चीनी का ही उत्पादन हुआ था।

चावल पैदाई सीजन में 492 चीनी मिलों में पैदाई आरंभ हो चुकी है, जबकि पिछले पैदाई सीजन की समान अवधि में केवल 481 मिलों में ही पैदाई आरंभ हो पाई थी। विश्व बाजार में दाम नीचे होने के कारण इस समय निर्यात सीटों में पैरिटी नहीं लग रही है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के मुताबिक, चावल पैदाई सीजन में महाराष्ट्र में 31 दिसंबर 2021 तक 45.77 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है, जबकि पिछले साल इस

समय तक केवल 39.86 लाख टन का ही उत्पादन हुआ था। राज्य में 189 चीनी मिलों में पैदाई आरंभ हो चुकी है, जबकि पिछले साल इस समय तक केवल 179 चीनी मिलों में ही पैदाई आरंभ हो पाई थी। उत्तर प्रदेश में चावल पैदाई सीजन में मिलों में देर से गन्ने की पैदाई आरंभ हुई थी, जिस कारण राज्य में 31 दिसंबर तक 119 चीनी मिलों ने पैदाई आरंभ कर दी है, जबकि पिछले सीजन की समान अवधि में 120 मिलों ने पैदाई आरंभ कर दी थी।

राज्य में 31 दिसंबर 2021 तक 30.90 लाख टन चीनी का ही उत्पादन हुआ है जोकि पिछले पैदाई सीजन की समान अवधि के 33.66 लाख टन से कम है। कर्नाटक में 31 दिसंबर 21 तक 25.65 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है, जबकि पिछले पैदाई सीजन की समान अवधि में केवल

24.16 लाख टन चीनी का ही उत्पादन हुआ था।

राज्य में चावल पैदाई सीजन में 69 मिलों ने गन्ने की पैदाई चल रही है। गुजरात में चावल पैदाई सीजन में 31 दिसंबर 2021 तक 15 चीनी मिलों ने पैदाई आरंभ कर दी है, तथा 3.50 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है, जबकि पिछले पैदाई सीजन की समान अवधि में राज्य की मिलों ने 3.35 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था।

विश्व बाजार में सें-शुगर की कीमतों में आई गिरावट के कारण महीने भर से नए निर्यात सीटों नहीं हो रहे हैं, जबकि चावल पैदाई सीजन में अभी तक कुल 38 से 40 लाख टन चीनी के निर्यात सीटों पहले हो चुके हैं। विश्व बाजार में सें-शुगर के दाम 20 सेंट प्रति पाउंड से नीचे बने हुए हैं, जबकि इन भाव में निर्यात में पैरिटी नहीं लग रही है।

MURLI MANOHAR TRADERS
Convenancing Agents For:
RICE PULSES GRAINS
821, Shri Commercial Bldg, Kalapur, AHMEDABAD-2
Ph: 971-2212053, 2212203, 2212383
Fax: 2212379 (Res), 2212188, 2282303
Mobile: 98258-14728 (Vishal)
98240-11457, 98049, 98258-44720 (Nand)
98240-76748 (Thakur)

Always Use
World's Finest
SKBR
EXPORT PVT. LTD.
Basmati Rice
Plot No. 181/21, Industrial Area, Phase 1, CHANDIGARH-160019
+91-9915102077 (Nareesh Goel)
E: himanchalbasmati@gmail.com
Website: www.skbrice.com

शक्कर की कीमतों में तेजी

स्थानीय सियागंज थोक किराना मंडी में ग्राहकी सामान्य चल रही है। आगे लंबी त्योहार समय होने से ग्राहकी बढ़ सकती है। मसालों का सीजन है इससे मसालों में मांग का होना बताया जा रहा है। सभी कीचन मसालों के भाव में उतार चढ़ाव होकर भाव आसमानी-सुलतानी बने हुए हैं। तैयार पैसे मसालों पेकिंग में 250 रु से लेकर 700 रु किलो तक है। देश में यह पेकिंग मसालों की एक अजीबो-गरीब स्थिति है। सूत्रों के अनुसार, लगातार त्याहरी सीजन रहने से आगे व्यापार सामान्य ही रहेगा। शककर मिलों के और उनके शेकरों के सट्टे के फायदे से लिये डिब्बा हमेशा तेजी-मंदी की राय देता रहा है।

EVEREST
RICE MILL ELEVATOR BUCKET
Quality, Reliability & Maximum Volume Capacity Of Your Plans Always Insist On...
Product Range: From 3" to 20", Mild Steel, Stainless Steel & Plastic Buckets
V.L. INDUSTRIAL WORKS
Manufacturing, VANGAON-401013 Tel: 0259-244052/285954 Fax: 0259-244122
On: Railway Station, VANGAON-401013 Email: sales@vllindustrialworks.com
Mob: 9225147620, 978531833 Email: sales@vllindustrialworks.com
Website: www.everestbucket.in

NAGRAJ
GRAIN TRADING CO.
Wholesaler & Distributor of
Wheat, Turar Dal and Rice
GFI4, Krishna Apartments, Chhotalal Cross Road, Odhav, Ahmedabad-382415 • Tel: 079-22972211
9428117879 Tarun Kumawat

Raj Singh Barka
Sale Purchase of Boilers - Rice Plant Steam Engine, Drier etc. On Commission Basis
Contractors: All Kind of Heavy Loading, Unloading Dismantals Erection, Mfrs. & Fabricators M.S. Pipe, Storage Tanks Churnies, Cylinders, I.D. Fans, on Labour Rates.
Works: 3, Meerat Road Opp. Nehru Colony Market, KARNAL Res.: 127, Gali No. 3, Opp. Sarda & Sons Bldg, Karna Bldg, KARNAL-132001 Tel: (R) 0184-2255356 M. 9812031874, 9817708697

Paramjit 'S' Pamma
Deals in: Old Rice Plant, Old Paddy Drier, Old Colour Sorter, Old Solvent Plant, Old Sella Plant, Chakki Plant, Boiler, Ice Plant & Any Other Sick Unit
H. No.517 St. No.2 Near Bobby Mahant Mandir Kular Nagar, MOGA-142001 (Ph.) Email: pammji69@gmail.com

RICE Merchants & Commission Agent
BANSHIDHAR SATYANARAYAN
Ch.8, Surajpole Mandi, JAIPUR
Mobile: 9571813688

P LILADHAR & CO.
Rice Convenancing Agents
103, Vyapar Bhawan, Ist Floor, A.P.M.C. Market-II, Phase-II, Vashi, Navi Mumbai-400703
Tel: (O) 022-27837665, 27838345, 27838109
(R) 022-25643710, 25681927 Telefax: 022-67907905
Mob: Pares: 982122369, 9323943710
Nitin: 9820010201, 9320310201 Jitu: 9323981927
E-mail: p_liladhar@hotmail.com

Aggarwal Convenancing Agent
Deals in: Rice, Paddy, Broken all kinds of Basmati & Non Basmati Rice
12, New Janta Market, Near Novelty Cinema, KARNAL-132001
M: 9215550377, 9466571277 Sunil Garg
M: 9034055567 Anil Garg
Email: sunilgarg2585.sg@gmail.com

Deepak Ohri (Prop.) **Rice Brokers** M. 9810466221 9781388000
GANPATI TRADING COMPANY
Shop No. 2, Old Hariana Adda, Gausahala Bazar, HOSHAIRPUR-146001
Tel: (O) 01882-233103, 243103, 520103, 520203 (R) 01882-227193
Branch Office: Ganapati Trading Co. Silver Plaza, Opp. Sanjay Palace Sodal Road, JALANDHAR CITY Ph: 0181-2293030 Mobile: Rahul Ohri (Monty) 9914020037, Jyoti Parkash Ohri 9814866221

का आम निवेशक कुछ कंपनियों के साथ ही शककर कंपनियों के शेयर पर बड़े अपने पैसे पर भारी आसू महा रहा है। कई निवेशक भाव नहीं बढ़ने की कवायद पर शेयर छोड़ चुके हैं। सरकार द्वारा दी गई शककर मिलों को राहत से आचानक इनके भाव बढ़ने लग गये हैं। इस वर्ष शककर कंपनियों के शेयरों में भारी उछाल आया है। इसके पीछे गुत् छः माह से बड़े शककर के भाव से कंपनियों का भारी फायदा हुआ है। शककर भाव विगत वर्ष से उपरी भाव 3300 से 3400 रु पर पर स्थिर बने हुए थे। जबकि उत्पादन 250 लाख टन से बढ़ते हुए लगभग 320 लाख टन से उपर ही होने लगा है। मत् हरे शककर के भाव 3350 से 3400 रु से उछलते हुए 3600 से 3650 रु तक हो

गये हैं। शककर बनने पर बाय प्रोडक्ट के रूप में इथेनॉल निकलता है जिसकी डिमांड पोल केतनियों की बढ़ते रहने से शककर उत्पादक कंपनियां मालामाल हाथरही हैं। शककर के भी भाव बढ़ाने लग गये हैं सूत्रों के अनुसार, भारत में सबसे अधिक हाजिर व्यापार

दिगाड़ने में सरकारी नीति और सट्टे बाजों का बोलबाला बताया जा रहा है। इससे जनता की यही राय कायम हो रही है कि शककर पर अब अधिक मंदी की संभावना कमजोर है। स्थानीय मंडी में शककर की आवकें लगभग 8-10 गाड़ियों की रही।

Worldwide - Different People, Different Tastes, One Choice.
DUNAR
Basmati Rice
Find Out Distributor in Your City at: www.dunarbasmatirice.com
Also Buy Online at: www.bugbasmatiriceonline.in

Leading Convenancing Agent in
Ahmedabad
Specialist in Basmati Rice
D.J. BROKER'S
Convenancing Agent for Basmati Rice, Wheat & All Grains
132, Kambur Khana, Sindi Market, Chhatra Bazar, Kalapur, Ahmedabad-380001
Email: djabroker735@gmail.com
Contact: +91-9426834591, 9988345911 (Dhaneshbhai)

बृजेश कुमार अग्रवाल
श्री गणेश एन्टरप्राइजेज
कमीशन एजेंट
घान-1121-बासमती-शकरी-मैह और जी आरि के कमीशन एजेंट
बी-9, नवीन गल्ला मण्डी दादरी-202307 (नीलमबुद्ध नगर) उम प्र
Ph: 0120-2655680 • Mob: 94120-62917, 93120-68780

AMBER TRADING COMPANY
Rice Merchants & Commission Agents
E-3, New Anaj Mandi, Surajpole, JAIPUR (Raj.)
Email: ambertradingco@yahoo.com
Organised By - Mr. SATPAL
Distributors - Dunnar, Basmati Rice
Ph. (O): 0141-2640343, 6543932 (R) 27203051
Mobile: 09314503881

Authorised Distributor of KRBL Ltd. Products
INDIA GATE
BASMATI RICE
18-V, Struttan Muthiah Mudali Street, Sowcarpet, CHENNAI-74
Mob: Tejal Kothari-9840058580, Pankaj Kothari-98406 60900
Tel: 23306794, 23307263, 93086717 Email: pankaj.kothari@gmail.com

MAHADEV CANVASSING AGENT
RICE, WHEAT, GRAIN
RICE, WHEAT, GRAIN
CANVASSING AGENT
Ph: 079-65212545, 93828466
Mob: 98251-09226
178/1, Kabutar Khana Sindi Comm. Market, AHMEDABAD-380002

Raj Canvassing Agent
Rice, Pulses, Rice Bran, Grain Brokers
22, Dhan Mandi, UDAIPUR-313001
Tel.: (O) 0294-2523056, 2414056
(R) 0294-2485056 Mob.: 9414155956

RICE & PULSES SPECIALIST
HISARIA BROTHERS
CANVASSING AGENTS OF PULSES, BASMATI RICE
79, Achrapattan Street, CHENNAI-600001
Tel. (O) 25226188, 25224132 (R) 26426320, 26423414
Fax: 25221139 Mob: 98419-26168
Cable: "DALKING" Email: goyalys@vsnl.com

भारत वर्ष में वित्तीय दलाली की पहली विश्वस्तरीय
You Grow With
Dalal Surajbhan Khandelwal & Co.
45H, Sindi Commercial Market, Kalapur, AHMEDABAD-380002
Ph: 079-22121809, 22122355, 22124380, 22123539, 22158251,
22166821 Fax: 079-22120418 Res: 26401348 (Rakesh),
26461009 (Nipun R), 26614623 (Umesh), 26610227 (Navek U.)
Mobile: 98240-22116 (V.K), 98240-21874 (R.K.),
98240-23451 (U.K), 98240-221203 (Navek U.)
Other Concerns: UNITY CANVASSER (Rice Division)
RAGHUPATI TRADERS (Pulses Division)
नोट : हमारी अन्य कोई सम्बन्धित नाम से कोई फर्म नहीं है।

Rice Basmati Specialist
Ph: 0184-2255365 Resl. 2280185 (O.P.) 2
Fax: 2255365 M.: 9416034365
G. N. ENTERPRISES
Convenancing Inspecting & Packing Agents of All Types of Rice & Seeds
101, Janta Gram Market, KARNAL
Other Concern: Om Prakash & Co.

वर्ष 2021-22 में
सरकार की धान
खरीद अबतक
532.86 लाख टन

केंद्र ने चालू वित्तियन पत्र 2021-22 के दौरान अवर कुल 532.86 लाख टन धान की खरीद की है, जिसमें अधिकांश खरीद पंजाब से की गई है। केेंद्रीय डााघ मंत्रालय ने कहा कि, अर तक लगभग 64.07 लाख किसानों को एनएसएल (नूतनान सर्मथन नूतन) के रुप में 1,04,441.45 करोड़ रुपए का लाभ मिला है। चालू वित्तियन सत्र में नूतनरी धान अर तक की गई कुल खरीद से नूतनरीधान 186.85 लाख टन धान पंजाब से, उसके बाद 67.56 लाख टन छत्तीसगढ से, 65.54 लाख टन तेलंगाना से, 55.30 लाख टन हरियाणा से और 46.50 लाख टन उत्तर प्रदेश से खरीद गयी है। धान वित्तियन का सत्र अबदूध से शुरू होता है और सितंबर तक चलता है। वित्तियन सत्र 2020-21 के दौरान सरकार ने 1,69,133.26 करोड़ रुपए के एनएसएल (नूतनान सर्मथन नूतन) मूतन पर 895.83 लाख टन धान की खरीद की थी। सरकार भारतीय ए.ए.ए.ई. नि ग म (ए.ए.ए.ई. नि ग म) सांथ-सांथ रााज्य एरिजॉन के माध्यम से खरीद कार्य करती है। खरीद एनएसएल के सांथ किसानों की सुाहा के लिए बड़े पैमाने पर धान और गेहूं खरीदती है। सरकार ईर अजोद का इस्तेमाल रााष्ट्रीय खाद्य सुराा कानून के तहत पंजीकृत गरबल लाभार्थियों के रियासती दरों पर रासन की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए करती है।

कोविड के बावजूद खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 3086 लाख टन



केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि, कोविड के बावजूद किसानों ने काफी मेहनत की है, जिससे वर्ष 2020-21 में 3086.47 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ, जो एक रिकॉर्ड है। दलहन का 257.19 एवं तिलहन का 361.01 लाख टन उत्पादन हुआ। यह भी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। कपास का

उत्पादन 353.84 लाख गांठ होने का अनुमान है। जिसके कारण भारत का विश्व में पहले स्थान पर पहुंचना तय है। उत्पादन और उत्पादकता के मोर्चे पर, बागवानी क्षेत्र ने पारंपरिक खाद्यान्न फसलों से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। यद्यपि ग्रामीणकालीन अभियान के लिए राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, उनका कहना है कि,

ग्रीष्मकालीन फसलें न केवल अतिरिक्त आय प्रदान करती हैं बल्कि रबी से खरीफ तक किसानों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करती हैं। सरकार ने दलहन, तिलहन व पोषक-अनाज जैसी ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए नई पहल की है। हमारा उद्देश्य एक ही है कि कृषि उन्नत व लाभप्रद

हो, उत्पादकता बढ़े व किसानों के जीवन स्तर में बदलाव आए। किसानों के सहयोग व सरकारी प्रयासों से चावल रहित ज़ायद पश्चात का एक सप्ताह २०१७-१८ में २९.१ लाख हेक्टेयर को २.७ गुना बढ़कर २०२०-२१ में ८०.४६ लाख हेक्टेयर हो गया है।

कृषि मंत्री का कहना है कि, हमारे देश की विविध भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियों के, जिसका फायदा रखते हुए ग्रीष्म ऋतु की फसले ज़्यादा से ज़्यादा ली जा रही चाहिए, वो किसानों को कम लागत व कम समय में अतिरिक्त आमदनी देने वाली होगी। राज्यों व किसानों के सहयोग से ज़ायद फसलों का कटाब नष्ट नहीं है। कृषि और किसानों के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ पूरी गंभीरता के साथ खड़ी है।

कृषि मंत्री का कहना है कि, पिछले सीजन में उर्वरकों

के मामले में कुछ जगह एकाएक संकट परिस्थितियाँ पैदा हुई और कुछ लोगों ने अनासुराज तूट दिया, पर केंद्र व राज्य सरकारों पहले से मिलजुल इस्तिफा सबने सजक सूत्रबुद्ध से समस्या फ निर्वजन पाने में सफल हासिल की. देश को जितने फटिलाइजर की आवश्यकता थी, वह पूरी मात्रा केंद्र सरकार ने उपलब्ध कराने क भरपूर प्रयास किया है आगामी सीजन के लिए भी राज्य सरकारों एखांस में पर्याप्त उर्वरक ले लें।

किसानों को फर्टिलाइजर की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। तोमर ने फर्टिलाइजर के अन्य विकल्पों का अधिकाधिक उपयोग करने पर जोर देते हुए कहा कि केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल कम होना चाहिए जिसके लिए एडवांस प्लानिंग

की जरूरत है।

प्राकृतिक खेती अपनाणे

पर जोर: कृषि मंत्री ने प्राकृतिक खेती अपनाणे पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इस पर फोकस किया है। उन्होंने इससे तिरुकोट्टी कृषि विधान केंद्रों को योजनाबद्ध ढंग से लक्ष्य बना करते हुए निचले स्तर तक किसानों को ट्रेनिंग देने की बात की है। साथ ही किसानों के डाटाबेस को पूर्ण करने में राज्यों से विशेष रूप से का आग्रह किया, ताकि इससे किसान लाभान्वित हों। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि तिरुहनुमै व दलहन उत्पादन बढ़ाने और नए 2 जिलों में विशेष को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनका कहना है कि, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को पूरी तरह से निचले स्तर तक किसानों की बीच पहुंचाकर उन्हें ज्यादा से

समेलन का उद्देश्य:
जायद समेलन का उद्देश्य पूर्ववर्ती फसल निर्माता के दौरान फसल के प्रदर्शन की समीक्षा और मूल्यांकन करना तथा राय सकारांकी के परामर्श से गैरी के सीमों के लिए फसलवार लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। ग्राम 2021-22 के लिए दलहन-तिलहन व पोषक-अजला के लिए राष्ट्रीय-राज्य लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। समेलन में बताया गया कि 2020-21 में इन फसलों के तहत 40.85 लाख हेक्टेयर की तुलना में 2021-22 के दौरान 52.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया जाएगा। इसी तरह 21.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र दलहन और 13.78 लाख हेक्टेयर क्षेत्र तिलहन व 17.89 लाख हेक्टेयर पोषक-अजला के तहत लिया जाएगा।

तुअर दाल की कीमतों में तेजी,
कीमतें अभी और बढ़ने की उम्मीद

उत्तर उपदान को खरीक
 सीजन की आखिरी फसल को
 रूप में जाना जाता है। इस
 साल खरीक पर कुदरत की
 माला लड़ी है और रबी के मौसम
 में भी यह तिलसिला जारी है।
 हालांकि किसानों को उत्तर के
 उपदान बढ़ने की उम्मीदें बढ़
 गई हैं। ऐसा इसलिए है
 क्योंकि किसानों में अरहर की
 दाल आते ही दाल मिल
 मालों और स्टॉकिंगों की
 मांग तेजी से खुल हो गई है।
 इसलिए किसान अब अनुमान
 लगा रहे हैं अभी उम्मीदें काम
 मिलेंगे। उन्हें उपदान में
 गिरावट के बावजूद किसानों
 को अब बढ़ी हो रही पटल पर
 लाल मिलने की उम्मीद है पिछले
 हफ्ते से जहां उत्तर की आरक
 बढ़ी है, वहीं किमती में सुधार
 से किसानों का उत्साह भी
 बढ़ा है।

किसानों को उम्मीद है
 कि सीजन के आखिरी चरण
 में खरीफ सौभाग्य, कपास
 और उत्तर के दाम बढ़ेंगे।

से उत्पादन में गिरावट कम हो गयी। तुषार की कटाई अर्थात् अतिचरण चरण में है, किसान फसल कटाई के तुरंत बाद इसी से बचने के बजट्युपायों साधनी और किसान जल संभरण के साथ प्रयुक्त करने में है। सीजन की शुष्कता से पहले, तुषार की कीमत 6,000 से कम थी, लेकिन यह घिछले सप्ताह में 10,000 रुपये से लेकर 200 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसलिए वर्तमान में तुषार का लेनदेन 5 हजार 800 से 6 हजार 500 रुपय तक हुआ है। दरों में यह बढ़ोतरी किसानों के लिए राहत की बात है। हालांकि के कम दरों में हो रहा है लेकिन किसान खुश हैं और आगे काम बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

मांसम की शुष्कता और कृषि की ओर आगमन के साथ, पहले चरण में दरों में गिरावट आई है। लेकिन तुषार के साथ ऐसा नहीं है।

हुआ, ऐसा इसलिए है क्योंकि आज शुक होतों ही दाल मिल मालिकों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग शुरू हो गई है। राज्य के अकोना, लातूर और अमरावती बाजारों में भी यही स्थिति बानी हुई है इसलिए रेट में सुधार हो रहा है। नई तुजुर का आगमन अब शुरू हो गया है और जैसे-जैसे मांग भी बढ़ रही है, किसानों का उत्साह भी बढ़ता दिख रहा है।

नेफेड द्वारा राज्य के 186 केंद्रों पर तुजुर की खरीद की जा रही है सीजन शुरू होने से पहले रेट कम होने के कारण किसानों ने केंद्र शुरू

करने की मांग की थी, लेकिन अब तत्सीर बदल गई है। खुले बाजार में तुअर की कीमत कम से कम 6,000 होती है इतना ही नहीं इसके बढ़ने से किसान बिना किसी औपचारिकता के सीधे खुले बाजार में तुअर बेच रहे हैं इसके अलावा, यह अभी सीजन की शुरुआत है व्यापारियों के मुताबिक, सब कुछ तुअर के घटते उत्पादन और बढ़ती मांग पर निर्भर करता है।





way to accelerate your success beyond all

rice · pulses · spices · wheat products · oils · tea

India's 4th Largest International
Exclusive Exhibition cum Conference

MARCH 2022

FOOD INDIA 2022 (20-22 March) will be held at the National Exhibition Centre,
Pune Campus, DEHRADUN-248189, India

India's 4th Largest International Exclusive Exhibition cum Conference

**For Packed &
Branded Foods**

Rice/Pulses/Bean
Wheat & Wheat Products
Edible Oil, Vanaspathi/Ghee
Spices, Herbs, Kurana, Dry Fruits,
Sugar, Tea, Coffee, Dairy, Bakery,
Ready-to-eat, F&B Products,
Dehydrated & Frozen Food Products
Organic Food & Allied Food Industries

**For Processing
Machinery & Tech.**

**Rice, Pulses, Wheat, Flour &
all grains milling industries**
Grain Storage,
Material Handling,
Packaging Solutions
Dairy Equipments
Poultry/Cattlefeed Technology
Waste Water Treatment

BUILD YOUR
BRAND
DISTRIBUTOR
DEALER
NETWORK



Organized by:
VYAPARE EXPRESS
Contact for Stall Booking
97030 55201, T. & Arora - 99922 74574 Gurwar
97705 13922 Shivam Arora
Email - vapareexpress@rediffmail.com
vapareexpress@gmail.com
For more information, please visit
www.foodindia.co, www.vyaparexpress.co



Sponsored by:

- Satish Dadi Millers Asia - Delhi Rice Millers Assoc.
- Sahaj Sona Merchants India
- Satish Grain Business Association (Bengal)
- Sah Millers and Grain Processors Millers Assoc. (Goa)
- Raymond Rice Millers Assoc.
- Raymond Rice Exporters Assoc.
- Raymond Rice Millers and Dealers Assoc.
- The Association of All India Rice Millers Assoc.
- All India Rice Exporters Association

Sponsored by:

www.foodindia.co • www.vyaparexpress.co



Eravatt
BASMATI RICE
Flavour of India



Our Other Brands:











BHOLE NATH FOODS LIMITED

A Star Govt. Recognized Export House
As an ISO 9001:2008, HACCP, BRC & Co. Co.

Regd. Off: 26/21/2/3, S. No. 208, 3rd Floor, Naraya, Bazaar, Delhi-110006
 Cell: 97111 68851 (Gulshan), 99996 11011 (Ashok), 99994 51131 (Rakshak)
 Website: www.bholenath.com | www.mrnatra.com | info@bholenath.com

INDIA'S FIRST AND STILL THE BEST

INDENTED CYLINDER GRADER FOR MORE THAN 25 YEARS

A HIGH PERFORMANCE MACHINE WHICH PROCESS GRAIN/RICE TO A FINAL SAMPLE WITH A PURITY UPTO 100%



Single Length Grader Double Length Grader Pneumatic Bag No-Blower

INDENTED CYLINDER TESTED BY GOVT. OF INDIA, MINISTRY OF AGRICULTURE FOR S.F.C.I. LTD.

Hallmark
MACHINE MFG. CO. PVT. LTD.

Call & Works: Ch-2, Friendly Nagar, Hathras Road, AGRA-202006
Tel: 262-7776482; Mobile: 9827254513; Mob: 9837025010, 9897709996

[illegible]

LEADING RICE CANVASSING AGENTS

VIJAYKUMAR PRABHDA

Patel Market, Sardar Ganj, ANAND-388001
Ph.: (O) 02692-240445, 243198, 267381/82 (R) 240376
Fax: 02692-242847 Mob.: 925040563, 9825013152
Email: meet_dvp@hotmail.com

KANHAIYA TRADERS
Rice Commission Agent
Deals in Basmati Rice Domestic Market

2263/68/3B, Naya Bazar, Gali Raghunandan, Delhi-110006
 Mob.: 98103-09333, 93133-55297 Hitesh Singhal
 Email: shivafoodproducts@yahoo.com

BAJRANG RICE MILL
Manufacturers of all types of
Basmati & Non-Basmati Rice

स्वास्थ्य के लिए
अति उत्तम



BAJRANG RICE MILL
G.T. Road, Karigawan, Pusauli, Kaimur (Bhabua), Bihar-821108
Head Office : Lalapur, Kudra (Kaimur) Bihar
Mob. : 91-9421047071, 9939190402 Email : yulaulikudra@bahoo.com

Manufacturer & Supplier of RICE GRADERS in India

OMMARK

MANUFACTURING THROUGH LATEST TECHNOLOGY CNC MACHINE



**SMALL LENGTH
OTTPM**



**BIG LENGTH
CRTPM**



**GRADER
OTTPM**



**HOPPER
CRTPM**

INDUSTRIES

*ALSO AVAILABLE IN HARDENED MATEL INCIDENT CYCLING

Agraria-282008 U.P. (India) Tel : (0526)-2344110, 234430 (R) 4007700
E-MAIL : sales@ommarkindia.com, info@ommarkindia.com
We have capacity reserved for all well known factors of quality of our products, customer confidence and improve

Shiv Traders

Domestic Market Selling Agent for




Basmati Rice Specialist





Lotus Apartment, Flat No. 21, Pocket H-18, Sector-7,
Rohini, Delhi-85 (Near Rohini West Metro Station)

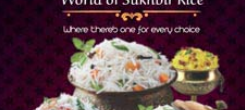
Bharat Garg : +91-9958170066, 9350873547
Prashant Jindal : +91-9958179966, 9354372973

Email: bharatgarg1981@gmail.com

B.O. : Grain Market, Sector-26, Chandigarh
Balwant Garg : +91-9814004282, 9780958002

Welcome to the
World of Sukkhir Rice

Where there's one for every choice



Sukkhir
 Sukkhir Agro Energy Ltd.
 Camp Road, P. A. Sector 17, East
 Gurgaon, Haryana, New Delhi 120016, India
 Tel: +91 11 8811 1300 Email: export@suksr.com

Wholes: Village Durgam, District Malwa (474001) (I.P.)
 Chamkila, Dist. Chhamb (210001) (I.P.)
 Saurashtra Khatri Dist. Sukkhir (320001) (I.P.)
 Dist. Jhalda (812001) (Parag)
 Gurgaon, Dist. Haryana (120012) (Parag)

For Distributorship Enquiries Contact:
Jitendra Yadav : +91 99598 88329 | E: jitendra.yadav@sukl.com

व्यापार एक्सप्रेस
में विज्ञापन देकर लाभ उठाए
9312625326

Asian Print Pack



Manufacturers of
all kinds of
BOPP Bags + Rice Bags
Pulses Bags
Chemical Bags + Seeds Bags
Tile Adhesive + Wall Putty Bags
BOPP Bags etc.

E-782, DSIDC Industrial Area,
Narnala, DELHI-110040
B.O. 514, Lohadi Gata, Naya Bazar,
DELHI-110006
E: asianprintpack606@gmail.com
M: 9891044043 Sudhir

